

संख्या: ४76 /XXIV-2/2004

प्रेषक,

एसओ कै० माहेश्वरी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

शिक्षा निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तरांचल, देहरादून ।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग देहरादून दिनांक ०५ दि.नवम्बर, 2004

विषय: जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लेंगधार, डीडोहाट,
जनपद— पिथौरागढ़ का प्रान्तीयकरण।

गहोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: नियोजन/27692/

ज० उ० मा० वि० लेंगधार (प्रान्तीय)/2003-04 दिनांक 9-12-2003 एवं पत्रांक नियोजन/25490/प्रान्तीय ज० उ० मा० वि०/2004-05 दिनांक 23 सितम्बर, 2004 के संदर्भ में श्री राज्यपाल गहोदय, अशासकीय सहायता प्राप्त जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लेंगधार, डीडोहाट, जनपद— पिथौरागढ़ का शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा वास्तविक रूप से अधिग्रहण की तिथि जो भी बाद में हो, से प्रान्तीयकरण किये जाने एवं विद्यालय हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश के दिनांक अथवा नियुक्ति की तिथि, जो भी बाद में हो, से 28 फरवरी, 2005 तक शर्तों कि यह पद इसके पूर्व ही बिना किसी सूचना के सम्पादन न कर दिये जाय, 14 अस्थायी पदों को सृजित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। यह पद शिक्षा विभाग के संबंधित सर्ग में अस्थायी वृद्धि के रूप में माने जायेंगे। इन पदों के पदधारकों को समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों के अनुसार मंहगाई भत्ता तथा अन्य वस्ते देय होंगे:-

क्र०सं०	पदनाम	वेतनमान	सृजित पदों की संख्या
1	2	3	4
1-	प्रधानाध्यापक	7500-12000	01(एक)
2-	सहायक अध्यापक एल० टी०	5500-9000	08(आठ)
3-	कनिष्ठ लिपिक-	3050-4590	01(एक)

4-	दफ्तरी	2810-3540	01(एक)
5-	चतुर्थ श्रेणी	2550-3200	03(तीन)
योग-			14 (चौदह)

2- राज्यपाल मंडोदय प्रान्तीयकृत हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक को अपने विद्यालय से संबंधित व्ययों के लिए आहरण एवं वितरण अधिकारी भी घोषित करती है।

3- प्रान्तीयकरण की तिथि से इस विद्यालय का सम्पूर्ण व्यय राजस्व आग्र-व्ययक से सीधे सरकारी खर्च के रूप में वहन किया जायेगा तथा अन्य राजकीय विद्यालयों की भाँति इस विद्यालय को भी जिला शिक्षा अधिकारी के प्रशासनिक अधिकार में दिया जायेगा जो शिक्षा निदेशक उत्तरांचल द्वारा प्रसारित सामान्य नियमों के अनुसार इसका संचालन करेंगे। प्रश्नगत विद्यालय की भूमि / भवन आदि सभी वस्तु तथा अचल सम्पत्ति का शासन को स्थानान्तरण कर दिया जायेगा। विद्यालय की आय में (प्रान्तीयकरण की तिथि से तथा विद्यालय की अवशेष बलेन की बकाया रकम, कोष चन्दे से प्राप्त रकम, दान से प्राप्त धनराशि तथा छात्रों से ली गई फीस की धनराशि सम्मिलित है) राजस्व प्राप्ति के अन्तर्गत प्राप्त आय सम्बन्धित शीर्षक में जमा कर दी जायेगी। प्रान्तीयकरण पर यह विद्यालय बिना दायित्व तथा अन्य भार के शासन को सौंप दिये जायेंगे। प्रान्तीयकरण से पहले की देनदारी यदि बाद में निकल आयी, तो उसका दायित्व शासन पर नहीं होगा।

4- उपर्युक्त विद्यालय में वारतयिक रूप से कार्य कर रहे वर्तमान स्टाफ को, जो प्रान्तीयकरण की तिथि को निर्धारित योग्यता रखते हों, इस शासनादेश में स्वीकृत पदों के विपरीत अस्थायी रूप से नियुक्त किया जायेगा तथा इन पदधारकों की ज्येष्ठता का निर्धारण का पूर्ण अधिकार शासन तथा शिक्षा विभाग को होगा। इन पदधारकों को राजकीय सेवा में स्थायी रूप से विलीनीकरण करना तभी सम्भव होगा, जब ये सक्षम अधिकारी अथवा लोक सेवा आयोग द्वारा अन्ततः योग्य घोषित कर दिये जायेंगे। ऐसे प्रश्नगत स्टाफ का वेतन सामान्य नियमों के अन्तर्गत निर्धारित होगा।

5- ऐसे पदधारक जो निर्धारित योग्यता न रखते हों अथवा जिन्हें शासन के सक्षम अधिकारी का अनुमोदन प्राप्त न हो, का सरकारी

सेवा में स्थायी रूप से विलीनीकरण सम्भव न होगा जिन्हें कि उपरोक्त स्वीकृत मदों के समक्ष अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाये। तदनुसार प्रश्नगत स्टाफ को घेतावनी दे दी जाय कि नियुक्ति अधिकारी अथवा विपरीत क्रम से उनके द्वारा नियुक्त अधिकारी को लिखित रूप से दिये गये नोटिस के अनुसार उनकी सेवा किसी समय भी एक महीने की पूर्व नोटिस पर समाप्त कर दी जायेगी। ये कर्मचारी अपनी नई सेवा शर्तों को जो एक अस्थायी राज्य कर्मचारी के अनुरूप होगी, स्पष्ट रूप से स्वीकार करेंगे।

6- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक 2202² सामान्य शिक्षा -02 - माध्यमिक शिक्षा -आयोजनेत्तर -109-राजकीय माध्यमिक विद्यालय-08- अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों का प्रान्तीयकरण के सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामों अला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 338/वित्त अनु04/2004 दिनांक 01/XII/2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 के0माहेश्वरी)

अपर सचिव

संख्या: 876 (1)/XXIV-2/2004 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी।
- 4- संयुक्त शिक्षा निदेशक कुमायूँ मण्डल-नैनीताल।
- 5- जिला शिक्षा अधिकारी- पिथौरागढ़।
- 6- जिलाधिकारी- पिथौरागढ़।
- 7- कोषाधिकारी- पिथौरागढ़।

- 8- अमर सचिव, शिक्षा एवं परीक्षा परिषद, रामनगर, नैनीताल।
9- संबंधित विद्यालय के प्रधानक/प्रधानाध्यापक।
✓ 10- एन0आई0सी0, उत्तरांचल, देहरादून।
11- वित्त विभाग।
12- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

९

(राजेन्द्र सिंह)

सम सचिव